मध्यभारत की

ग्राम

कृषि मूलम् जगत सर्वम्

वर्ष 13 ✦ अंक 06 ✦ अक्टूबर 2014 ✦ विक्रम संवत् 2071 ✦ आश्विन/कार्तिक मास ✦ मूल्य रु. 25

पौषक हो गया और भी बेहतर एवं और भी असरदार

पौषक सुपर

फसलों का च्यवनप्राश
अब और भी दमदार

दीपावली की शुभकामनाएं!

ISO 9001:2000 ISO 14001:2008 COMPANY

कृषि रसायन एक्सपोर्ट्स प्रा.लि.

405-406, इन्दौर ट्रेड सेन्टर, 3/2, सॉउथ तुकोगंज, छोटी ग्वालटोली, इन्दौर, फोन : 0731-3046626-27 फैक्स : 0731-3046625

VIGILANCE

आवरण कथा

कृषि-क्रांति का दिग्दर्शक 'कांताई बांध'

कांताई बांध के कारण कृषि विकास संभव-भंवरलालजी जैन

''पानी की समस्या से निपटने के लिए अवर्षणग्रस्त भाग के नाम से जाने जाने वाले इस क्षेत्र में बांध बंधने से उपलब्ध जलसंचय के कारण सूखे कुओं को जलस्रोत प्राप्त हुआ है तथा साधरणत: 3 से 4 हजार एकड़ भूमि इस जल संचय के कारण सिंचाई क्षेत्र में आ सकेगी। राज्य के अनेक भागों में दुष्काल की स्थिति है। इस दुष्काल की पृष्ठभूमि में कांताई बांध के माध्यम से की गई जल व्यवस्था कृषि क्रांति में मील का पत्थर साबित होगी।''

(क्यों खास है कांताई बांध-देखें पृष्ठ 13)

जैन इरिगेशन सिस्टम्स् लि. जलगांव के संस्थापक अध्यक्ष भंवरलालजी जैन अर्थात् बड़े भाऊ ने अपनी आंतरिक ऊर्जा के चलते बड़ी से बड़ी चुनौतियों को मात दी है। वे अनेक सपनों को प्रत्यक्ष रुप में सदा साकार करते आये हैं। इसी क्रम में बड़े भाऊ ने अपनी दूर दृष्टि से एक सपना संजोया। जैन उद्योग समूह के माध्यम से व्यवसाय के उत्तरदायित्व को निभाने के साथ साथ बड़े भाऊ ने समाज हित और सामाजिक कर्तव्यों के पालन को सदा सर्वोपरि रखा। जल ही जीवन है, इस उक्ति को ध्यान में रखते हुए बड़े भाऊ ने शुरुआत से ही जल व्यवस्थापन के विषय को गंभीरता से लिया। उन्होंने केवल वर्षा पर आधारित जमीन को सिंचाई क्षेत्र में परिवर्तित करने के उद्देश्य से जलगांव तहसील के नागझिरी परिसर में एक बांध का निर्माण कार्य करने का निश्चय किया।

इस बांध का काम निश्चित किये हुए समय में पूर्ण करने के लिए बड़े भाऊ के मार्गदर्शन में सहकारियों ने दिन रात एक कर इस चुनौती को बड़े ही आत्म विश्वास से पूर्ण किया। बांध में उपलब्ध हुए जल संचय के कारण सूखे कुओं को जल स्रोत प्राप्त हुआ तथा साधारणत: 3 से 4 हजार एकड़ क्षेत्र इस जल संचय के कारण सिंचाई क्षेत्र में आयेंगे। 9 महीने 11 दिन जैसे कम समय में कांताई बांध के सपने का साकार होना प्रत्यक्ष रुप से बड़े भाऊ के उत्कृष्ट व्यवस्थापन और सहकारियों की कड़ी मेहनत का नतीजा है। कड़ी मेहनत से कम समय में साकार हुए कांताई बांध पर केन्द्रीत है इस बार की आवरण कथा...

आये दिन पानी की समस्या गंभीर रुप धारण कर रही है और समूचा कृषि क्षेत्र समस्याओं से जूझ रहा हैं। संभाव्य खतरों को टालने के लिए जगह जगह पर बांध (बंधारा) बांधकर पानी रोकने के सिवा अन्य कोई विकल्प नहीं है। इसी बात को दृष्टिगत रखते हुए जैन इरिगेशन सिस्टम्स् के संस्थापक अध्यक्ष भंवरलालजी जैन (बड़े भाऊ) ने बांध (बंधारा) बांधने का निश्चय किया। फलत: गिरणा नदी के होते हुए भी पानी के कमी की समस्याओं से जूझ रहे तथा अवर्षण क्षेत्र के नाम से जाने वाले जलगांव तहसील के नागझिरी परिसर में बांध का निर्माण कार्य करने का निश्चय किया गया। जैन इरिगेशन सिस्टम्स लि. की आर्थिक सहायता से तापी पाटबंधारे विकास महामंडल, जलगांव अंतर्गत इस संदर्भ में शासन से एक करार किया गया। इस करार के अनुसार इस बांध के कुल जलसंचय में से 50 प्रतिशत पानी पर शासन का अधिकार रहेगा तथा यह पानी परिसर के अल्पभूधारक, कोरडवाहू किसानों को मिलेगा और शेष 50 प्रतिशत जलसंचय जैन उद्योग समूह के लिए आरक्षित रहेगा।

कृषि-क्रांति को मिली नई दिशा

खेती से संबंधित विविध प्रकल्पों के माध्यम से उपलब्ध पानी का कटौती से इस्तेमाल किया जा सके, इसे दृष्टिगत रखते हुए जैन इरिगेशन ने अपने आधुनिक और उच्च प्रगत तकनीकी द्वारा विश्वभर में विविध प्रकल्प कार्यान्वित किये हैं। साथ साथ सामाजिक बंधुभाव के दृष्टिकोण से जैन इरिगेशन ने अनेक अभिनव उपक्रम किये हैं। बड़े भाऊ ने अपने दूरदृष्टि का प्रयोग केवल अपने उद्योग-व्यवसाय के विस्तार तक ही सीमित न रखते हुए सामाजिक बंधुभाव के कार्य क्षेत्र में भी किया है। कांताई बांध भी उसी का एक भाग है। इस प्रकल्प के माध्यम से बांध के संचित जल क्षेत्र में से 50 प्रतिशत पानी जैन इरिगेशन को मिलता है फिर भी इस बांध के पानी के कारण पंचक्रोशी के किसानों को काफी फायदा हुआ है। शासन के नियम के अनुसार बांध का 50 प्रतिशत पानी इस पंचक्रोशी के किसानों के लिए उपलब्ध है और भविष्य में पानी का अपव्यय टालने के लिए पाईप लाईन के माध्यम से आधुनिक खेती करने का मार्ग भी किसानों के लिये प्रशस्त हो गया है। अपनी आर्थिक आय की बढ़ोतरी करने के लिए जो सुविधा उपलब्ध हुई है उसके लिए पंचक्रोशी के किसानों ने आनंद व्यक्त किया है।

क्यों खास है कांताई बांध...

जलगांव तहसील के नागझिरी परिसर के वाघूर नदी पर बांधे गये इस बांध के पानी की क्षमता 179.18 करोड़ लीटर है तथा इसका सिंचन क्षेत्र 913.61 वर्ग किमी. है। इस बांध की लंबाई गिरणा नदी के पात्र के अनुसार 246 मीटर है और उसकी ज्यादा से ज्यादा ऊंचाई 8.92 मीटर है। इस बांध के पूर्ण क्षमता में भरने पर उसका बैकवाटर लगभग 5.660 मीटर तक जाता है। बांध की दीवारों की ऊंचाई साढ़े चार मीटर है और इसमें 81 दरवाजे रखे गये हैं। इस बांध के निर्माण में कुल 7 करोड़ 85 लाख 81 हजार रुपये की लागत लगी है।

हाल में यह बांध पूर्णरुप से भरा हुआ है। इस बांध के कारण परिसर के कुएं, बोरवेल्स को पानी का स्रोत मिलने के कारण परिसर के गांव में पीने योग्य पानी की समस्या का समाधान हो गया तथा इस पानी के कारण बागायती क्षेत्र में भी बढ़ोत्तरी हुई है। साथ ही किसानों की वार्षिक आय में भी वृद्धि हुई है। कुल मिलाकर यह कहा जा सकता है कि इस कांताई बांध के कारण कृषि क्रांति को गति मिलने वाली है और इसीलिए पंचक्रोशी के किसानों के चेहरों पर खुशी की लहर दिखाई पड़ रही हैं।

- पानी के उपयोग में ५० से ६० प्रतिशत बचत।
- उत्पादन में १०० प्रतिशत तक दमदार वृध्दि।
- सर्वोच्च गुणवत्ता व सर्वोत्तम कार्यक्षमता।
- फसल की जरूरत एवं क्षमता के अनुसार कम खर्च में संपूर्ण स्प्रिंकलर और ड्रिप सिंचाई पध्दति।
- जैन ड्रिप - उपलब्ध बिजली में, कम समय में अधिक क्षेत्र की सिंचाई करने का एकमात्र साधन।
- जैन ड्रिप और स्प्रिंकलर प्रणाली के संपूर्ण भारतवर्ष में लाखो खुशहाल किसान उपभोक्ता।
- सूक्ष्म सिंचन क्षेत्र की समस्त अवयव व प्रणाली का निर्माण करनेवाली विश्व की एकमात्र कंम्पनी।
- जैन ड्रिप भारत में ५५ लाख एकड़ क्षेत्र से भी अधिक क्षेत्र में कार्यरत।
- ४५ वर्षों से कृषि सम्बन्धित कार्य, सेवा व कृषकों के हित में समर्पित।

जे-टर्बो कि प्लस व एस.सी.पी.सी.

जैन टर्बो कॅसकेड पीसी, आणि एन्टी सायफॉन

जैन टर्बो लाइन व जैन टर्बो लाइन पीसी

जैन टर्बो एक्सल

रेनपोर्ट स्प्रिंकलर्स

जैन मिनी स्प्रिंकलर®

ईम्पॅक्ट स्प्रिंकलर

रेनगन - ट्विन ९५ प्लस

जैन पीविसी पाईप्स

जैन पॉलीईथीलीन (पीई) पाईप्स व क्वाईल

हवामान दर्शक यंत्र

जैन टिश्यूकल्चर दूसरों से भिन्न क्यों?

- सौ प्रतिशत वायरस इन्डेक्सिंग कर के पौध निर्मित
- प्लास्टिक थैली की बजाए अब प्लास्टिक पो-ट्रे में पौध वितरण
- तीन माहीने पूर्व पूर्ण राशि जमा कर बुकिंग करें और जितने चाहे पौध प्राप्त करें।

ऑटोमॅटीक स्क्रिन/ डिस्क फिल्टर यंत्र

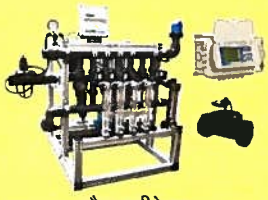
जैन न्युट्रीकेयर फर्टिगेशन यंत्र

जैन इरिगेशन सिस्टम्स लि.
छोटे छोटे कदम. आसमाँ छुनेका दम.®

जैन प्लास्टीक पार्क, पो.बॉ. ७२, जलगांव - ४२५००१. फोन: ०२५७-२२५८०११; फॅक्स: ०२५७-२२५८१११; ई-मेल jisl@jains.com; वेबसाईट: www.jains.com

इंदौर ऑफिस: २०२/२ लसुडिया मोरी, देवास नाका, पंचवटी कालोनी, ए. बी. रोड, इंदौर - ४५२००१. फोन: + 91-731-4265112; फॅक्स: +91-731-4066011; ई-मेल: jainindore@jains.com

रायपूर ऑफिस: शितल वे-ब्रिज पास, शितल रोड लाईन के पास, भानपुरी, रायपूर - ४९३ २२१.फोन: 0771-2582091, 09406802853, ई-मेल: jainraipur@jains.com.

जयपूर ऑफिस: ३०२, ३ मजला, आदर्श प्लाझा, खासा कोटी सर्कल, बनी पार्क, जयपूर - ४. फोन: 0141-2203515, ई-मेल: jainjaipur@jains.com.

जैन ड्रिप · जैन स्प्रिंकलर · जैन पाईप · जैन पीई पाईप · जैन टिश्यूकल्चर · जैन ग्रीन हाउस · NUTRI CARE · IRRI CARE · NAANDANJAIN JAIN IRRIGATION